



विद्यार्थियों के बौद्धिक, सामाजिक और व्यक्तिगत विकास पर संगीत का प्रभाव

अमित कुमार¹

¹ सहायक प्राध्यापक (प्रदर्शन कला), पटना ट्रेनिंग कॉलेज, पटना- 800 004

Paper Received On: 18 MAR 2023

Peer Reviewed On: 31 MAR 2023

Published On: 1 APRIL 2023

Abstract

अध्ययन करते समय संगीत सुनना विद्यार्थियों में एक सामान्य अभ्यास बन गया है। विद्यार्थियों के एक समूह का दावा है कि इससे उनकी पाठ्यचर्या की दक्षता में वृद्धि होती है, वहीं दूसरी ओर, कुछ शोधकर्ता ऐसी धारणाओं का खंडन करते हैं। मस्तिष्क के अध्ययन में हालिया प्रगति ने हमारी समझ को बढ़ाया है कि संगीत के साथ सक्रिय जुड़ाव अन्य गतिविधियों को प्रभावित करता है। जब हम विभिन्न संगीत गतिविधियों में संलग्न होते हैं तो सेरेब्रल कॉर्टेक्स स्वतः व्यवस्थित होता है, इन क्षेत्रों में कौशल तब अन्य गतिविधियों में स्थानांतरित हो सकते हैं यदि इसमें शामिल प्रक्रियाएं समान हैं। कुछ कौशल हमारी सचेत जागरूकता के बिना स्वचालित रूप से स्थानांतरित हो जाते हैं, दूसरों को इस बात पर विचार करने की आवश्यकता होती है कि नई स्थिति में उनका उपयोग कैसे किया जा सकता है। प्रस्तुत शोध आलेख संगीत द्वारा विद्यार्थियों के बौद्धिक, सामाजिक और व्यक्तिगत विकास पर प्रभाव को उजागर करता है।

मुख्य बिंदु: संगीत, बौद्धिक, सामाजिक एवं व्यक्तिगत विकास



Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

प्रस्तावना

संगीत अभिव्यक्ति और संचार के सबसे सार्वभौमिक तरीकों में से एक है और दुनिया भर में सभी उम्र तथा संस्कृति के लोगों के रोजमर्रा के जीवन में शामिल है। संगीत सहस्राब्दियों से मानव जाति की विशेषता रही है। व्यावहारिक रूप से संगीत की क्षमता सभी मनुष्यों की एक विशेषता है, और अक्सर समूहों में इसकी प्राप्ति वातावरण और व्यक्तियों के अनुभवों से होती है। संगीत सुनना, गाना, बजाना (अनौपचारिक व औपचारिक रूप से), इसमें निर्माण (खोज करना, रचना व सुधार करना), चाहे व्यक्तिगत या सामूहिक रूप से हो, अधिकांश लोगों के लिए सामान्य गतिविधियाँ हैं। संगीत अपने आप में एक सुखद गतिविधि है, लेकिन इसका प्रभाव साधारण मनोरंजन से कहीं अधिक है। ये गतिविधियाँ न केवल विद्यार्थियों की आंतरिक अवस्थाओं और भावनाओं को अभिव्यक्त करता है, बल्कि संलग्न विद्यार्थियों में कई सकारात्मक प्रभाव भी लाता है। संगीत से जुड़े अनुसंधानों से पता चलता है कि विद्यार्थी जीवन के कई आयामों- शारीरिक, सामाजिक, शैक्षिक, मनोवैज्ञानिक (संज्ञानात्मक और भावनात्मक) शामिल हैं जो संगीत से सकारात्मक रूप से प्रभावित हो सकता है (बियासुत्ती और कोन्सिना, 2013)। संगीत और इसके माध्यम से सीखना औपचारिक रूप से विद्यालयों में हो सकता है। साथ ही अन्य-औपचारिक परिवेशों, जैसे कि परिवार और दोस्तों के साथ घर में जहाँ संगीत सीखने में भागीदारी अनिवार्य होने के बजाय स्वैच्छिक रूप से हो सकता है।

संगीत से संबद्ध शोध अध्ययन, स्वास्थ्य और मानव कल्याण के लिए शारीरिक और मनोवैज्ञानिक प्रभावों का प्रमाण प्रदान करता है। पिछले कई दशकों में, संगीत से जुड़े विद्वानों ने कई प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं जो संगीत सुनने से पूरे हो सकते हैं। इसमें तीन अलग-अलग अंतर्निहित आयामों का सुझाव दिया: लोग आत्म-जागरूकता प्राप्त करने के लिए, सामाजिक संबंधितता की अभिव्यक्ति के रूप में उत्तेजना एवं मनोदशा को विनियमित करने के लिए संगीत सुनते हैं। पहले और दूसरे आयाम को तीसरे की तुलना में बहुत अधिक महत्वपूर्ण माना गया है। इन विचारों के विपरीत एक परिणाम है कि संगीत मुख्य रूप से सामाजिक सामंजस्य और संचार के साधन के रूप में विकसित हुआ है। इन परिणामों के निहितार्थ में संगीत सुनने की उत्पत्ति और कार्यक्षमता से जुड़े सिद्धांतों और मनोविज्ञान के सभी क्षेत्रों में शोध मानव उत्तेजनाओं के अनुप्रयोग और अनुभूति के लिए की गई है।

संगीत सुनना मानवीय व्यवहारों में से एक सबसे गूढ़ विषय है। अधिकांश सामान्य व्यवहारों में एक पहचानने योग्य उपयोगिता होती है जिसे उत्तरजीविता और प्रजनन के व्यावहारिक उद्देश्यों के रूप में उपयुक्तता से देखा जा सकता है। इसके अलावा, असामान्य व्यवहारों में, कुछ व्यवहारों को नियंत्रित करने के लिए संगीत मददगार हैं। संगीत सुनना सबसे लोकप्रिय अवकाश गतिविधियों में से एक है। संगीत लोगों के रोजमर्रा के जीवन का सर्वव्यापी साथी है।

व्यक्तिगत और सामाजिक विकास

संगीत द्वारा व्यक्तिगत और सामाजिक विकास पर पड़ने वाले प्रभाव से विद्यार्थियों की सामान्य उपलब्धि प्रभावित होती है। वाद्य यंत्र बजाने से उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त करने की भावना उत्पन्न होती है। साथ ही संगीत द्वारा आत्मसम्मान एवं आत्मविश्वास में वृद्धि, सीखने में आने वाली कठिनाइयों से होने वाली निराशाओं पर काबू पाने में दृढ़ता, आत्म-अनुशासन और आत्म-अभिव्यक्ति प्राप्त होती है। ये सामान्य रूप से सीखने के लिए प्रेरित करते हैं और इस प्रकार बड़ी हुई संप्राप्ति को बल मिलता है।

संगीत समूहों में भाग लेने से समान विचारधारा वाले लोगों के साथ मित्रता को बढ़ावा मिलता है। साथ ही संगीत स्वयं पर भरोसा; सामाजिक कौशल, सामाजिक जुड़ाव, अपनेपन तथा समूह में कार्य करने की भावना, आत्म अनुशासन, निपुणता का भाव, सहयोग, जिम्मेदारी, प्रतिबद्धता, आपसी सहयोग, समूह के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एकजुटता, एकाग्रता में वृद्धि और विश्राम के लिए एक आधार प्रदान करता है।

किशोरावस्था में संगीत स्वयं की पहचान के विकास में एक बड़ा योगदान देता है और जब युवा लोग परेशान या अकेला महसूस कर रहे होते हैं तो इसे समर्थित स्रोत के रूप में देखा जाता है। संगीत को भावनात्मक संवेदनशीलता बढ़ाने की क्षमता से जोड़ा जाता है। संगीत में भावनाओं की पहचान भावनात्मक बुद्धिमत्ता से संबंधित होता है।

पाठ्यक्रम के भीतर कक्षा में संगीत की मात्रा में वृद्धि से कक्षा में सामाजिक सामंजस्य बढ़ जाता है। संगीत से विशेष रूप से कम क्षमता वाले विद्यार्थियों में अधिक आत्मनिर्भरता, बेहतर सामाजिक समायोजन और सकारात्मक दृष्टिकोण में वृद्धि होती

है। व्यक्तिगत और सामाजिक विकास पर संगीत के साथ जुड़ाव का सकारात्मक प्रभाव तभी संभव है जब यह एक सुखद और पुनर्बलित अनुभव होता है।

शारीरिक विकास, स्वास्थ्य और कल्याण

शारीरिक शिक्षा की लयबद्ध संगत शारीरिक कौशल के विकास को बढ़ाती है। एक वाद्य यंत्र बजाना सीखना, मांसपेशियों में समन्वय को बढ़ाता है। प्रतिरक्षा प्रणाली, सांस लेने, अच्छी मुद्रा अपनाने, मनोदशा में सुधार और तनाव में कमी के संबंध में गायन से विशेष स्वास्थ्य लाभ होते हैं।

मस्तिष्क अध्ययन से जुड़े हालिया शोध ने हमारी समझ को बढ़ाने में सक्षम बनाया है कि संगीत के साथ सक्रिय जुड़ाव अन्य विकास को प्रभावित करता है। यद्यपि मस्तिष्क के काम करने के तरीके के बारे में हमारा ज्ञान अभी भी अपनी शैवावस्था में है, लेकिन सीखने में शामिल कुछ मूलभूत प्रक्रियाओं को स्थापित किया जा चुका है।

मानव मस्तिष्क में लगभग 100 बिलियन न्यूरॉन होते हैं जिनमें से काफी अनुपात एक साथ सक्रिय होते हैं। सूचना प्रसंस्करण बड़े पैमाने पर उनके बीच तालमेल के माध्यम से किया जाता है, प्रत्येक में अन्य न्यूरॉन्स के साथ लगभग एक हजार जुड़ाव होते हैं। संगीत के साथ व्यापक सक्रिय जुड़ाव कॉर्टिकल को दुवारा संगठित करने में मदद करती है, जिससे मस्तिष्क कैसे सूचनाओं को संसाधित करता है, इसमें कार्यात्मक परिवर्तन उत्पन्न होता है। यदि यह विकास की शुरुआत में होता है तो परिवर्तन और सूचना को संसाधित करने के तरीके में स्थायी परिवर्तन उत्पन्न कर देते हैं। मस्तिष्क के कामकाज के स्थायी और पर्याप्त पुनर्गठन में काफी समय लगता है।

प्रत्येक व्यक्ति की एक विशिष्ट 'सीखने की शैली' होती है जो मस्तिष्क द्वारा सूचनाओं को संसाधित करने के तरीके में परिलक्षित होती है। जैसे-जैसे व्यक्ति लंबे समय तक विभिन्न संगीत गतिविधियों में संलग्न होते हैं, मस्तिष्क में स्थायी परिवर्तन होते हैं। ये परिवर्तन प्रतिबिंबित करते हैं कि क्या सीखा गया है और यह कैसे सीखा गया है। वे इस बात को भी प्रभावित करते हैं कि किस हद तक विकसित कौशल अन्य गतिविधियों में स्थानांतरित करने में सक्षम हैं।

सीखने का स्थानांतरण

निम्न प्रकार के ज्ञान का हस्तांतरण स्वचालित कौशल पर निर्भर करता है और अपेक्षाकृत सहज और स्वचालित होता है। उदाहरण के लिए, संगीत और भाषा का प्रसंस्करण, संगीत या पाठ के विभिन्न टुकड़ों को पढ़ने के लिए समान कौशल का उपयोग करना। उच्च ज्ञान के हस्तांतरण के लिए प्रतिबिंब और सचेत प्रसंस्करण की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, बहुत भिन्न प्रकार की समस्याओं को हल करने में समान कौशल अपनाना। कुछ संगीत कौशलों में दूसरों की तुलना में स्थानांतरित होने की अधिक संभावना है। उदाहरण के लिए, संगीत कौशल जिसमें स्थानांतरित होने की अधिक संभावना है वे ध्वनि के अवधारणात्मक प्रसंस्करण से संबंधित हैं, जैसे-मांसपेशीय कौशल, भावनात्मक संवेदनशीलता, लिखित सामग्री और ध्वनि के बीच संबंधों की अवधारणा (संगीत और पाठ पढ़ना), और विस्तारित जानकारी (संगीत और पाठ) का संस्मरण।

अवधारणात्मक और भाषा कौशल

संगीत को लंबे समय से मुख्यधारा के विद्यालयों में सुनने के कौशल विकसित करने के लिए और सीखने में कठिनाइयों का अनुभव करने वाले बच्चों के लिए प्रभावी अनुभव प्रदान करने के लिए प्रयोग किया गया है। जब हम संगीत या भाषण सुनते हैं तो हम अपनी सचेत जागरूकता के बिना बड़ी मात्रा में सूचनाओं को तेजी से संसाधित करते हैं। हम इसे कितनी आसानी से करते हैं यह हमारे पूर्व के संगीत और भाषाई अनुभवों पर निर्भर करता है। यह विशेष ज्ञान निहित है, जो वातावरण के माध्यम से सीखा जाता है, और जब भी हम संगीत या भाषा सीखते हैं तो स्वचालित रूप से लागू होता है। भाषा और संगीत कुछ प्रसंस्करण प्रणालियों को साझा करते हैं। संगीत के अनुभव जो प्रसंस्करण को बढ़ाते हैं, इसलिए भाषा की अवधारणा पर प्रभाव डाल सकते हैं, जो पढ़ने की क्षमता पर प्रभाव डालता है। संगीत प्रशिक्षण मस्तिष्क की ध्वनि के एन्कोडिंग को तेज करता है जिससे प्रदर्शन में वृद्धि होती है। संगीत तेजी से बदलती ध्वनियों के बीच अंतर करने की क्षमता में सुधार और श्रवण विभिन्नता में वृद्धि करता है। एक वाद्य यंत्र बजाना न केवल ब्रेनस्टेम में बदलाव लाता है बल्कि अन्य मानसिक गतिविधियों में वृद्धि करता है। संगीतकारों को गैर-संगीतकारों की तुलना में एक शब्दांश की शुरुआत के लिए पहले ब्रेनस्टेम प्रतिक्रियाएं मिलती हैं। मस्तिष्क में संगीत और भाषा दोनों ध्वनियों से न्यूरॉन्स की गतिविधियों में वृद्धि होती है।

संगीत कौशल होने से दूसरी भाषा में सूक्ष्म ध्वन्यात्मक विरोधाभासों को देखने और उत्पन्न करने की क्षमता और उनकी पहली भाषा में विद्यार्थियों की पढ़ने की

क्षमता का आकलन किया जाता है। यह भावात्मक भाषा लय की व्याख्या करने की क्षमता को भी बढ़ाता है। संगीत प्रशिक्षण इन कौशलों को विकसित करता प्रतीत होता है। मनुष्य आवृत्ति में रूपांतरित राग को आसानी से पहचानने में सक्षम हैं। यह कौशल बोली जाने वाली स्वर-शैली में इसके महत्व से संबंधित हो सकता है। संगीत के साथ जुड़ाव अवधारणात्मक प्रसंस्करण प्रणालियों के विकास में एक प्रमुख भूमिका निभाता है जो भाषण ध्वनियों और पैटर्नों की एन्कोडिंग और पहचान की सुविधा प्रदान करता है, पहले सक्रिय संगीत भागीदारी के लिए तैयारी और भागीदारी की लंबाई जितनी अधिक होगी, उतना अधिक प्रभावी होता है। इन कौशलों का हस्तांतरण स्वतः होता है और न केवल भाषा के विकास में बल्कि साक्षरता में भी योगदान देता है।

साक्षरता

समग्र रूप से, शोध अध्ययन संगीत की व्यस्तता के सकारात्मक प्रभाव को बताते हैं। यदि भाषा कौशल पहले से ही अच्छी तरह से विकसित हैं, तो संगीत गतिविधि को पढ़ने के संबंध में होने वाले हस्तांतरण लाभों के लिए संगीत संकेतन पढ़ने पर ध्यान देने की आवश्यकता हो सकती है। भाषा कौशल को सुविधाजनक बनाने में संगीत की भूमिका पढ़ने के कौशल के विकास में योगदान करती है।

संगीत वाद्ययंत्र बजाना सीखने से शब्दों को याद रखने की क्षमता में वृद्धि होती है। संगीत प्रशिक्षण वाले लोगों में मौखिक सीखने और याद रखने की क्षमता में वृद्धि होती है, इसके अलावा, संगीत प्रशिक्षण की अवधि जितनी लंबी होती है, मौखिक स्मृति भी उतनी ही बेहतर होती है।

ऐतिहासिक रूप से, लंबे समय से यह माना जाता रहा है कि संगीत और गणित के बीच एक मजबूत संबंध है। संकेतन से बजने वाले संगीतकारों के धड़कनों को उप-विभाजित करने और लयबद्ध संकेतन को ध्वनि में बदलने के लिए अर्ध-गणितीय प्रक्रियाओं को अपनाने की लगातार आवश्यकता होती है। हालाँकि, इस प्रकार की गतिविधि गणित के सभी पहलुओं से संबंधित नहीं है। स्थानांतरण तभी होने की संभावना है जब आवश्यक कौशल 'निकट' हों। यह हाल के एक अध्ययन द्वारा समर्थित है, जिसमें दिखाया गया है कि ताल वाद्ययंत्रों पर निर्देश प्राप्त करने वाले बच्चों ने पियानो और गायन निर्देश प्राप्त करने वालों की तुलना में आंशिक या पूरी गणित की समस्याओं पर अधिक अंक प्राप्त किए।

बौद्धिक विकास

बच्चों के बौद्धिक विकास में संगीत की भूमिका पर विचार करने वाले पहले अध्ययनों में से एक हर्विट्ज़ एट अल द्वारा किया गया था। 1990 के दशक के दौरान इन मुद्दों में रुचि का पुनरुत्थान हुआ, जिसमें स्थानिक तर्क पर संगीत के साथ सक्रिय जुड़ाव के प्रभाव पर विशेष ध्यान दिया गया था, जो बुद्धि परीक्षण का एक तत्व है। बौद्धिक विकास में संगीत की भूमिका अहम होती है।

सामान्य संप्राप्ति

संगीत में भागीदारी के तीन आयाम हैं: विद्यालय में, विद्यालय के बाहर और परिवार में। विद्यार्थी विद्यालय में कितना अच्छा प्रदर्शन करते हैं, इसके लिए प्रेरणा भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रेरणा- क्षमता, आत्म-प्रभावकारिता और आकांक्षा की आत्म-

धारणा निकटता से जुड़ी हुई है (हालम, 2005)। यदि संगीत के साथ सक्रिय जुड़ाव स्वयं की सकारात्मक धारणाओं को बढ़ाता है, तो यह अध्ययन के अन्य क्षेत्रों में स्थानांतरित हो सकता है और प्रेरणा को बनाए रखने में मदद कर सकता है।

रचनात्मकता

रचनात्मक कौशल का विकास विशेष रूप से संगीत से जुड़ी हुई है। संगीत में रचनात्मक सोच के वेबस्टर के उपायों पर प्रदर्शन ने व्यापकता, लचीलेपन, मौलिकता और वाक्य रचना में बदलाव का आकलन किया। कामचलाऊ गतिविधियों ने महत्वपूर्ण रूप से रचनात्मक सोच के विकास का समर्थन किया, जो कि उपदेशात्मक शिक्षण के विपरीत था। रचनात्मकता को बढ़ाने के लिए संगीत पाठ रचनात्मक गतिविधियों पर आधारित होने की आवश्यकता है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां और शोध की आवश्यकता है

सामाजिक और व्यक्तिगत विकास

सामाजिक और व्यक्तिगत विकास में संगीत का सकारात्मक प्रभाव होता है। बौद्धिक विकास और उपलब्धि पर प्रभाव की तुलना में इस ओर कम ध्यान दिया गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि संगीत में सफलता आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान की समग्र भावनाओं को बढ़ा सकती है। कुछ छात्रों ने संगीत सुनने और संगीत कौशल के विकास में संगीत कक्षाओं के लाभों को महसूस किया, जबकि अन्य ने संगीत की मस्ती और उपचारात्मक प्रकृति का उल्लेख किया। इससे उन्हें दूसरों के सामने प्रदर्शन करने का आत्मविश्वास उत्पन्न हुआ, समूह के साथ काम को सुगम बनाना और खुद को

अभिव्यक्त करने के लिए सीखने में सक्षम बनाता है। वाद्य यंत्र बजाने वालों ने आत्म-सम्मान और पहचान की भावना में वृद्धि का उल्लेख किया है। समूह में काम तथा प्रदर्शन करने से आपसी भाईचारे और सामाजिक समरसता में वृद्धि होती है।

विद्यालय में संगीत के विद्यार्थियों में एक सक्रिय योगदानकर्ता होने, अपनेपन की एक मजबूत भावना विकसित करने, लोकप्रियता हासिल करने और 'समान विचारधारा वाले' लोगों के साथ दोस्ती करने, आत्म-सम्मान और संतुष्टि की एक मजबूत भावना, सामाजिक कौशल में वृद्धि और विकास होती है।

शारीरिक विकास, स्वास्थ्य और कल्याण

मानव आबादी में स्वास्थ्य और कल्याण के बारे में हाल की चिंताओं ने कला और संगीत के प्रभाव से जुड़े शोध में वृद्धि की है। शोध अध्ययनों से प्राप्त निष्कर्षों में विद्यार्थियों से जुड़े निम्न लाभ शामिल हैं: शारीरिक विश्राम और शारीरिक तनाव से मुक्ति; भावनात्मक मुक्ति और तनाव की भावनाओं में कमी; खुशी, सकारात्मक मनोदशा, खुशी, उत्साह और उच्च महसूस करने की भावना; व्यक्तिगत, भावनात्मक और शारीरिक कल्याण की भावना; उत्तेजना और सकारात्मक ऊर्जा की बढ़ी हुई भावना; संज्ञानात्मक क्षमताओं की उत्तेजना - ध्यान, एकाग्रता, स्मृति और सीखना; आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान की भावना में वृद्धि; मनोवैज्ञानिक और सामाजिक समस्याएं; शारीरिक परिश्रम, विशेष रूप से फेफड़ों के माध्यम से शरीर के व्यायाम

प्रणालियों की भावना; एक मूल्यवान, सार्थक सार्थक गतिविधि में लगे रहना जो उद्देश्य और प्रेरणा की उत्पन्न करती है (क्लिफ्ट एट अल, 2008; स्टेसी एट अल, 2002)।

उपसंहार

प्रस्तुत अध्ययन मानव जीवन के संगीत के साथ सक्रिय जुड़ाव के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करता है। जीवन की प्रारंभिक अवस्था में अवधारणात्मक कौशल के विकास के लिए संगीतबद्ध समन्वय लाभदायक प्रतीत होता है जो भाषा सीखने को प्रभावित करता है। साथ ही यह साक्षरता पर भी प्रभाव डालता है जो लयबद्ध समन्वय विकसित करने के अवसरों से भी बढ़ाया जाता है। वाद्य यंत्र बजाना सीखने के माध्यम से मांसपेशीय समन्वय में सुधार होता है। संगीत भी स्थानिक सुधार करने लगता है। तर्क, सामान्य बुद्धि का एक पहलू जो गणित में आवश्यक कुछ कौशलों से संबंधित है। सामान्य उपलब्धि साक्षरता और संख्यात्मक कौशल से स्पष्ट रूप से प्रभावित होती है, इससे उत्पन्न प्रेरणा जो आत्मसम्मान, आत्म-प्रभावकारिता और आकांक्षाओं पर निर्भर करती है। संगीत के साथ जुड़ाव आत्म-धारणाओं को बढ़ा सकता है, लेकिन तभी जब यह सकारात्मक सीखने के अनुभव प्रदान करता है जो फायदेमंद होते हैं। इसका मतलब यह है कि संगीत के अनुभवों को सुखद बनाने की आवश्यकता है जो चुनौतियों को भी प्राप्त कर सकें। शिक्षण को एक ऐसा वातावरण बनाने की आवश्यकता है जो रचनात्मकता और आत्म-अभिव्यक्ति के विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए सहायक और पर्याप्त रूप से लचीला हो। समूह संगीत बनाना भी विकास के लिए फायदेमंद है। सामाजिक कौशल, स्वास्थ्य और कल्याण में योगदान कर सकते हैं।

संगीत जीवन भर समग्र रूप से समाज को लाभ प्रदान करते हुए सामुदायिक सामंजस्य में योगदान दे सकता है।

संदर्भ ग्रंथ सूचि

- बियासुत्ती, एम. एवं कोन्सिना, ई. (2013). "म्यूजिक एजुकेशन एंड ट्रांसफर ऑफ लर्निंग", इन म्यूजिक: सोशल इम्पैक्ट्स, हेल्थ बेनिफिट्स एंड पर्सपेक्टिव्स, एड पी. साइमन एंड टी. स्जाबो (न्यूयॉर्क, एनवाई: नोवा साइंस पब्लिशर्स, इंक सीरीज: फाइन आर्ट्स, म्यूजिक एंड लिटरेचर), 149 -166.
- हर्विट्ज, आई., वोलफ, पी.एच., बोटनिक, बी.डी. एंड कोकस, के. (1975). 'नॉन-म्यूजिकल इफेक्ट्स ऑफ़ द कोडाली म्यूजिक करिकुलम इन प्राइमरी ग्रेड चिल्ड्रेन', जर्नल ऑफ़ लर्निंग डिसेबिलिटीज, 8, 45-52.
- हालम, एस. (2005). एन्हान्सिंग लर्निंग एंड मोटिवेशन थ्रू द लाइफ स्पैन, यूनिवर्सिटी ऑफ़ लंदन.
- क्लिफ्ट, एस., हैनॉक्स, जी., स्टारिकॉफ, आर. एंड व्हिटेमोर, सी. (2008). सिंगिंग एंड हेल्थ: ए सिस्टेमेटिक मैपिंग एंड रिव्यू ऑफ़ नॉन-क्लिनिकल रिसर्च, सिडनी डे हान रिसर्च सेंटर फॉर आर्ट्स एंड हेल्थ, कैंटरबरी क्राइस्ट चर्च यूनिवर्सिटी.
- स्टेसी, आर., ब्रिटैन, के. एंड करर, एस. (2002). सिंगिंग फॉर हेल्थ: एन एक्सप्लोरेशन ऑफ़ द इश्यूज, हेल्थ एजुकेशन, 102(4), 156-162.
- सैदर, एम. (2016). म्यूजिक इन इनफॉर्मल एंड फॉर्मल लर्निंग सिचुएशन्स इन ईसीईसी, नॉर्डिक अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन, रेस. जे. 13, 1-13. डीओआई: 10.7577/nbf.1656